मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 01 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 1 फरवरी, 2025

बजट 2025

महाराष्ट्र में रह-रह के उठ जाता... 3 | भारत ने टी-20 सीरीज में बनाई... 7

मोदी सरकार को बचाने वाला बजट!

वित्त मंत्री ने खोला बिहार के लिए पिटारा

» कांग्रेस ने कहा- पूरी तरह से पटरी से उतरा बजट

» बजट भाषण से पहले सपा का हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा व अन्य विपक्ष नेताओं के विरोध के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 का केंद्रीय बजट प्रस्तुत कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला ने रिकॉर्ड लगातार आठवां बजट पेश किया। बजट में वित्त मंत्री ने किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कई अहम एलान किए। वित्त मंत्री ने अपने पिटारे से बिहार के लिए कई अहम योजनाओं का एलान किया है। बिहार में मखाना बोर्ड बनाने की भी घोषणा की गई। मध्यम वर्ग को बड़ा तोहफा देते हुए वित्त मंत्री ने 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगाने का एलान किया।

उधर विपक्ष ने एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट को बकवास बताया। विपक्षी नेताओं ने कहा कि बजट में बिहार को तव्वजो दिया गया है शायद सरकार बिहार चुनाव को देखकर इस तरह की बजट लाई है। कुछ तो ये कह रहे हैं कि अपनी सरकार को बचाने के लिए ये बजट में बिहार के लिए खजाना खोला गया है। कांग्रेस ने तो यहां तक कह दिया यह भारत नहीं बिहार का बजट है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात वित्त मंत्री ने उन्हें बजट के अहम प्रावधानों और बदलावों की जानकारी दी। इससे पहले कैबिनेट से बजट 2025 को मंजूरी मिलने के बाद सीतारमण ने बजट भाषण पढ़ना शुरू किया। वित्तमंत्री ने कहा कि नया बजट टैक्सेशन, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र, बिजली और नियामक ढांचे इन छह क्षेत्रों में सुधार शुरू करेगा। अपने बजट भाषण में निर्मला सीतारमण ने पीएम धन ध्यान कृषि योजना की घोषणा की। इसमें कम पैदावार, आधुनिक फसल गहनता और औसत से कम ऋण मानदंड वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा।

प्रमुख घोषणाएं

- प्रधानमंत्री धन- धन्य कृषि योजना शुरू करेगी राज्यों के साथ साझेदारी में।
- तुअर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देते हुए 6 साल का दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को अल्पावधि ऋण की सुविधा प्रदान करता है। संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण के लिए केसीसी ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की जाएगी।
- राज्यों के साथ साझेदारी में एक व्यापक बहु-क्षेत्रीय ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर पैदा करना है ताकि प्रवास एक विकल्प हो, लेकिन अनिवार्यता नहीं।
- शहरी श्रमिकों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक नई योजना लागू की जाएगी
- सरकार गिग वर्कर के पहचान पत्र और ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकरण की व्यवस्था करेगी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गिग वर्करों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी। इस उपाय से लगभग 1 करोड़ गिग-वर्करों को सहायता मिलने की संभावना है।
- रोगियों, विशेषकर कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित रोगियों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार ने 36 जीवनरक्षक औषधियों को मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) से पूर्ण छूट वाली औषधियों की सूची में जोड़ने का प्रस्ताव किया है।

12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं

"मोदी सरकार का यह बजट गोली के घावों के लिए बैंडेज जैसा है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक संकट को हल करने के लिए आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। लेकिन यह सरकार विचारों के मामले में खोखली है।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा

महंगी

- बड़े स्क्रीन की आईएफपीडी
- बुने हुए कपड़े
- बीमा
- सिगरेट तंबाकू

सस्ता

- 36 कैंसर दवाएं, मेडिकल उपकरण
- एलईडी-एलसीडी
- भारत में बने कपड़े
- मोबाइल फोन बैटरी
- लेदर जैकेट, जूते, बेल्ट, पर्स
- ईवी वाहन, टीवी

मध्यम वर्ग को लुभाने की कोशिश!

मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में मिडिल क्लास को बड़ी राहत दी है। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई को टैक्स फ्री किया है। अगर 75000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन को भी मिला लें, तो कुल 12.75 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री हो जाएगी। हालांकि, अभी भी न्यू टैक्स रिजीम में 12 लाख रुपये की सालाना इनकम 10 फीसदी टैक्स स्लैब में आ रही है। इससे टैक्सपेयर्स उलझन में हैं कि उनकी 12.75 लाख की इनकम टैक्स फ्री कैसे होगी। आइए इसे डिटेल में समझते हैं। अभी न्यू टैक्स रिजीम के मुताबिक, 0-4 लाख रुपये तक पर टैक्स जीरो है। वहीं, 4 से 8 लाख रुपये तक की कमाई पर 5 फीसदी और 8 से 12 लाख रुपये तक पर 10 फीसदी टैक्स लगता है। सबसे अधिक 30 फीसदी टैक्स 24 लाख रुपये से अधिक की सालाना कमाई पर लगेगा।

राजनीतिक स्वार्थ का बजट है : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बजट पर कहा कि ये राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने वाला बजट है। उन्होंने एक्स पर कहा कि देश में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी की जबरदस्त मार के साथ ही सड़क, पानी, शिक्षा, सुख-शान्ति आदि की जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण लगभग 140 करोड़ की भारी जनसंख्या वाले भारत में लोगों का जीवन काफी त्रस्त है, जिसका केन्द्रीय बजट के माध्यम से भी निवारण होना जरूरी है। किन्तु वर्तमान भाजपा सरकार का भी बजट, कांग्रेस की ही तरह, राजनीतिक स्वार्थ का अधिक व जन एवं देशहित का कम लगता है। अगर ऐसा नहीं है तो इस सरकार में भी लोगों का जीवन लगातार तंग, बदहाल व दुखी क्यों? विकसित भारत का सपना बहुजनों के हित का भी होना जरूरी है।

बजट आंकड़ों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण कुंभ की मौतों के आंकड़े : अखिलेश

बजट भाषण से पहले महाकुंभ में भगदड़ को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसदों ने हंगामा किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश के साथ सपा के सांसदों ने बजट भाषण से पहले हंगामा करते हुए महाकुंभ में भगदड़ पर चर्चा की मांग की। हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सपा सांसदों से कहा कि मेरा आपसे निवेदन है, माननीय अखिलेश जी, आप संसद की मर्यादा को आप बनाकर रखिए। कभी बजट भाषण के अंदर ऐसा नहीं हुआ। ये उचित नहीं है। मैं आपको मौका दूंगा। अभिभाषण पर चर्चा होगी। ये तरीका नहीं है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि इस समय बजट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि महाकुंभ में लोग अपनों को ढूंढ़ रहे हैं। लोगों को उनके अपने नहीं मिल रहे हैं। सरकार मृतकों के आंकड़े छुपा रही है। सरकार मृतकों और लापता लोगों की संख्या बताने में विफल रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कई बार वहां जा चुके हैं, केंद्रीय गृह मंत्री वहां जा चुके हैं, आज उपराष्ट्रपति जा रहे हैं और प्रधानमंत्री भी वहां जाएंगे। सरकार को जागना चाहिए। मैंने पहले भी कहा था कि वहां सेना को बुलाया जाए। यह पहली बार हुआ है कि संतों ने शाही (अमृत) स्नान से इनकार किया है। बजट अपनी जगह है लेकिन कुंभ महत्वपूर्ण है। बजट निराश न करे, लेकिन कुंभ में जाने वाली जानें समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता हैं।

किसानों की मांगों पर चुप है सरकार : जयराम

कांग्रेस ने शनिवार को बजट में कृषि क्षेत्र से संबंधित घोषणाओं को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया। पार्टी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर एमएसपी को कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी समेत किसानों की मांगों पर पूरी तरह से चुप रहने का आरोप लगाया। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, वित्त मंत्री ने बजट की शरुआत कृषि से की हैं, लेकिन किसानों की मांगों और कृषि पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों पर पूरी तरह से वो चुप हैं- एमएसपी को कानूनी गारंटी के रूप में लागू करना, कृषि ऋण माफी, पीएम किसान भुगतान का मुद्रास्फीति सूचकांकीकरण, पीएम फसल बीमा योजना में सुधार। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, मेक इन इंडिया जो फेक इन इंडिया बन गया था, अब उसका नया नाम है- राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन। उन्होंने आगे कहा कि वित्त मंत्री ने चार इंजनों की बात की, कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात। इतने सारे इंजन कि बजट पूरी तरह से पटरी से उतर गया है।

प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ सरकार की गलती से हुई : अखिलेश यादव

बोले- मुआवजा नहीं देना पड़े इसलिए छिपायी जा रही मृतकों की संख्या

सरकार ने खो दिया आम जन का भरोसा

» कहा- सड़कों पर फंसे लोगों के खाने-पीने का इंतजाम करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ सरकार की गलती से हुआ है। इसके लिए पूरी तरह सरकार की जिम्मेदारी है। भाजपा सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। भगदड़ में जान गंवाने वालों की सही संख्या नहीं बता रही है।

भाजपा सरकार मृतकों की संख्या इसलिए छिपा रही है, जिससे उसे मुआवजा नहीं देना पड़े। यह सरकार की संवेदनहीनता है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि परिजन अपनों के लिए परेशान है। सरकार मृतकों और घायलों की संख्या छिपा रही है। मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार ने आम जन का भरोसा खो दिया है। यह उनकी नैतिक हार है। जब संत-महात्मा भी उन्हें भी मुख्यमंत्री झूठे हैं तो मुख्यमंत्री की इससे बड़ी हार क्या हो सकती है। श्री यादव ने कहा कि अभी भी लाखों लोग और गाड़िया सड़कों पर फंसे है। सरकार उनके डीजल, पेट्रोल, खाने पीने और घरों तक सुरक्षित पहुंचाने का इंतजाम करें।

मुख्यमंत्री नैतिक रूप से जा चुके हैं, अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री तो नैतिक रूप से जा चुके है, अब राजनीतिक रूप से भी चले जाएंगे। महाकुंभ घटना पूरी तरह से सरकार की नाकामी है। भगदड़ वहां हुई है, जहां स्नान के लिए आम जनता जाती है। सरकार सबसे पहले सभी खोये लोगों और मृतकों की पूरी जानकारी सार्वजनिक करे। सूची जारी करे जिससे परेशान और पीड़ित परिजनों को सही जानकारी मिल सके। इसके साथ ही सरकार सभी शवों को गरिमापूर्ण तरीके से उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने महाकुंभ का निमंत्रण बांटा था। कहा था कि 40 से 45 करोड़ लोगों को स्नान करा देंगे। विश्वस्तरीय व्यवस्था करने का दावा किया था। जब निमंत्रण दिया था तो व्यवस्था क्या थी?

नेता विरोधी दल माता प्रसाद ने किया मिल्कीपुर में प्रचार

मिल्कीपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने आज मिल्कीपुर उपचुनाव में प्रबुद्ध जनों के साथ जन चौपाल लगाकर समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजीत प्रसाद को जिताने की अपील की। नेता विरोधी दल श्री पाण्डेय ने शुकुलपुर, मजनई, सीताराम पुरवा, उछाह पाली, कोटिया, पाराधमथुआ (पूर्वगांव), सुविधान मिश्र का पुरवा, कुचेरा, भोला पाण्डेय का पुरवा, जमा, भादोखरा, अहिरौली, में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से मुलाकात कर कर श्री अजीत प्रसाद को वोट देने की अपील की। नेता विरोधी दल ने कहा की आज युवा बेरोजगार है, सरकार के पास बेरोजगारो को देने के लिए रोजगार नहीं है। हर वर्ग परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार के तानाशाही रवैए से प्रबुद्ध वर्ग परेशान है। महाकुंभ में सरकार की अव्यस्था के कारण सैकड़ों लोगों की जान चली गई।

प्रबुद्ध वर्ग समाजवादी पार्टी के साथ : जयशंकर

समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक जयशंकर पाण्डेय ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग ने मिल्कीपुर के चुनाव में हमेशा समाजवादी पार्टी को समर्थन दिया है और नेताजी मुलायम सिंह यादव और श्री अखिलेश यादव की नीतियों में विश्वास किया है। अयोध्या नगर निगम के पूर्व मेयर प्रत्याशी डॉ. आशीष पाण्डेय दीपू ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में सबसे ज्यादा कार्य प्रबुद्ध वर्ग के लिए किया गया।

सौरभ शर्मा की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही मोहन सरकार : उमंग सिंगार

मप्र के नेता प्रतिपक्ष बोले- कड़ी सुरक्षा दी जाए

» कहा- सौरभ की जुबान खुली तो कई बड़े भाजपा नेताओं के काले कारनामे हो जाएंगे बेनकाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सौरभ शर्मा की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने पुलिस को सौरभ की सुरक्षा कड़ी करने के सुझाव भी दिए हैं। उमंग सिंघार ने इस मामले को लेकर कहा कि क्या सौरभ शर्मा की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही मोहन सरकार।

उमंग सिंघार ने कहा कि काली कमाई का सरगना सौरभ शर्मा फंस तो गया, लेकिन क्या बीजेपी सरकार उससे बचने के लिए कोई बड़ा खेल रच रही है? उन्होंने कहा जिस तरह भोपाल पुलिस उसे खुले में घुमा रही है, उसकी जान खतरे में है! क्योंकि अगर सौरभ की जुबान खुली तो कई बड़े भाजपा नेताओं के काले कारनामे बेनकाब हो जाएंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रतिदिन सौरभ शर्मा के खाने की जांच हो, हर मिनट उसे सीसीटीवी की निगरानी में रखना चाहिए, उससे मिलने वालों की जांच होनी चाहिए, जिस वाहन से उसे ले जाया जा रहा है उसकी जांच होने के साथ अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा प्राप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये सब इसलिए भी जरूरी है क्योंकि हमारे सामने विकास दुबे और अतीक अहमद जैसे उदाहरण है जिनके गुनाहों में बड़े चेहरों के उजागर होने से पहले ही उन्हें साजिश के तहत मार दिया गया था।

हाईकोर्ट ने मप्र सरकार पर ठोका 30 हजार का जुर्माना

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य सरकार पर 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना नर्मदा बचाओ आंदोलन द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर जवाब न देने के कारण लगाया गया है। याचिका में ग्रामीण इलाकों में भूमि अधिग्रहण के लिए उचित मुआवजा देने की मांग की गई है। हाई कोर्ट ने सरकार को दो हफ्तों का अल्टीमेटम दिया है और जुर्माने की राशि नर्मदा बचाओ आंदोलन और हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति में जमा करने का आदेश दिया है।

भाजपा सरकार में न्याय का मिलना मुश्किल : खुर्शीद शेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। श्रीनगर में एआईपी विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने इंजीनियर राशिद की भूख हड़ताल को लेकर प्रशासन और न्यायालय पर सवाल उठाए। शेख ने कहा ट्रायल कोर्ट ने इंजीनियर राशिद की जमानत पर कोई निर्णय नहीं दिया, इसलिए हम उच्च न्यायालय से संपर्क करने गए थे, लेकिन हमें वहां भी न्याय नहीं मिल रहा है।

हम प्रशासन को पत्र लिखकर प्रताप पार्क में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मांग चुके हैं, लेकिन हमें वहां भी अनुमति नहीं दी गई। हमारे नेता और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। हम प्रशासन को एक नई आवेदन दे रहे हैं कि अगर उन्हें प्रताप पार्क में विरोध प्रदर्शन से कोई समस्या है, तो वे हमें वैकल्पिक स्थान आवंटित करें और हम वहीं विरोध जारी रखेंगे। खुर्शीद अहमद शेख ने आगे कहा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वोट लेने के दौरान यह वादा किया था कि यहां लोगों की आवाज दबाई जा रही है और उन्हें 45 सीटें मिलीं लेकिन अब वह इस मुद्दे पर कुछ क्यों नहीं कर रहे हैं?

केसीआर 1000 रुपये के प्रतिबंधित नोट की तरह, जिनका कोई मूल्य नहीं : रेवंत

» के. चंद्रशेखर राव की आलोचना पर सीएम ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के चंद्रशेखर राव की तुलना अब बंद हो चुके 1,000 रुपये के नोट से करते हुए कहा कि प्रतिबंधित नोट रखने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने रंगारेड्डी जिले के मोगिलिगिड्डा में एक रैली को संबोधित करते हुए राव की तीखी आलोचना की और विपक्षी नेता को कई मुद्दों पर बहस के लिए विधानसभा सत्र में भाग लेने की चुनौती दी। रेड्डी ने कहा, अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के सामने अपनी (चंद्रशेखर राव) शेखी नहीं बघारें। आप चलन से बाहर हो चुके (विमुद्रीकृत) 1000 रुपये के नोट हैं। अगर कोई उस नोट को रखता है, तो उसे जेल जाना पड़ेगा। पहले उन नोटों की बहुत कीमत होती थी। अब उनका कोई मूल्य नहीं रह गया है। चंद्रशेखर राव का भी कोई मूल्य नहीं है और तेलंगाना समाज भी आप में दिलचस्पी नहीं रखता। राव ने एक टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य में कांग्रेस सरकार अपने शासन के एक साल के भीतर ही अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है, जिसपर रेड्डी ने यह टिप्पणी की। राव ने विश्वास जताया कि अगले विधानसभा चुनावों में बीआरएस फिर से सत्ता में आएगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि तेलंगाना के लोग अब राव (जिन्हें केसीआर के नाम से भी जाना जाता है) के सत्ता में लौटने में रुचि नहीं रखते हैं, क्योंकि वे पहले से ही कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।

सीएम आसमान से नीचे उतरें तो दिखे जनता का दुख-दर्द : विज

» कहा- अंबाला छावनी के काम रुकेंगे, तो उसके लिए मुझे जो भी करना पड़ेगा मैं करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला (हरियाणा)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि नायब सैनी जब से मुख्यमंत्री बने है तब से उड़न खटोले पर है, ये सिर्फ उनकी नहीं बल्कि सभी विधायकों और मंत्रियों की आवाज है।

मंत्री अनिल विज ने कहा कि फिर भी यह बहुत ही गंभीर बात है और गंभीर बात इसलिए है कि हमारे मुख्यमंत्री उड़न खटोले से नीचे नहीं उतरते, जिस दिन से मुख्यमंत्री बने हैं उसे दिन से उड़न खटोले पर ही है नीचे उतरे तो जनता के दुख दर्द को देखें। उन्होंने कहा अंबाला छावनी की जनता ने मुझे सात बार यहां (अंबाला) से विधायक बनाया है और अंबाला छावनी के काम रुकेंगे, तो उसके लिए मुझे जो भी करना पड़ेगा मैं करूंगा, आंदोलन करना पड़ेगा तो आंदोलन करूंगा, जान देनी पड़ेगी तो जान दूंगा, भूख हड़ताल करनी पड़ेगी तो भूख हड़ताल करूंगा।

महाराष्ट्र में रह-रह के उठ जाता है सवाल! कभी राउत के बयान पर मचता घमासान

» सरपंच हत्याकांड में घिर रहे मंत्री

» मराठी भाषा पर भी सियासी बवाल

» राउत के बयान का पड़ेगा बड़ा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार काम रही है। पर वहां का सियासी माहौल अब भी चुनावी बना हुआ है। जहां संजय राउत जैसे नेता अपने बयान से भाजपा व शिवसेना शिंदे गुट व एनसीपी अजित पवार गुट को हलकान किए रहते हैं वहीं सरंपच की हत्या व मराठी भाषा पर भी राज्य की राजनीति गरमाई हैं। सरपंच की हत्या को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने दावा किया कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या उनका इस्तीफा देना पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुंडे और शास्त्री वंजारी समुदाय से हैं।

वहीं कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने कहा कि एक योजना तैयार करने की जरूरत है। ऐसे प्रकरणों को रोकने की नीति। मराठी हमारी मातृभाषा है और हमें इसे बोलने से रोकने के किसी भी प्रयास पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि चंद्रकांत पाटिल शुरू से ही शिवसेना-भाजपा गठबंधन के समर्थक रहे हैं। गठबंधन में पहले पुरानी पीढ़ी थी, जिसमें चंद्रकांत दादा जैसे नेता भी शामिल थे। अब, भाजपा में कई नए लोग हैं। वे 25 साल के इस गठबंधन का महत्व नहीं समझते। लेकिन चंद्रकांत पाटिल की भावनाएं उस पार्टी के कई लोगों की भावनाओं के समान हैं। राउत ने कहा कि हमने 25 साल तक उनके (भाजपा) साथ अच्छा काम किया। राउत ने कहा कि सेना (जब वह एकजुट थी) ने भी नरेंद्र मोदी के साथ अच्छा काम किया।

शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के भीतर दरारें बढ़ सकती हैं। उद्धव के करीबी संजय राउत ने कहा कि भाजपा में कई लोग दोनों संगठनों के एक साथ आने के पक्ष में हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि इस संबंध में कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में भी कई लोगों की भावनाएँ ऐसी ही हो सकती हैं। राउत का बयान हाल ही में एक शादी में सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और भाजपा मंत्री चंद्रकांत पाटिल के बीच एक बैठक के बाद आया, जहां पाटिल ने कहा कि ऐसा मिलन उनके लिए एक स्वर्णिम क्षण होगा। इसका जिक्र करते हुए, राउत ने कहा कि चंद्रकांत पाटिल शुरू से ही शिवसेना-भाजपा गठबंधन के समर्थक रहे हैं। गठबंधन में पहले पुरानी पीढ़ी थी, जिसमें चंद्रकांत दादा जैसे नेता भी शामिल थे। अब, भाजपा में कई नए लोग हैं। वे 25 साल के इस गठबंधन का महत्व नहीं समझते। लेकिन चंद्रकांत पाटिल की भावनाएं उस पार्टी के कई लोगों की भावनाओं के समान हैं। राउत ने कहा कि हमने 25 साल तक उनके (भाजपा) साथ अच्छा काम किया। राउत ने कहा कि सेना (जब वह एकजुट थी) ने भी नरेंद्र मोदी के साथ अच्छा काम किया। अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए पाटिल को धन्यवाद देते हुए, राउत ने यह भी दावा किया कि एकनाथ शिंदे सेना का भाजपा के साथ गठबंधन टिकेगा नहीं। उसका गुट टूट जाएगा जैसे हमारी सेना टूट गई थी। भाजपा के साथ फिर से गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर भास्कर जाधव और विनायक राउत जैसे कई सेना (यूबीटी) नेताओं और अन्य ऑफ द रिकॉर्ड ने कहा कि उद्धव जो भी निर्णय लेंगे, वे उसके साथ जाएंगे। धाराशिव से सेना (यूबीटी) विधायक कैलास पाटिल ने कहा कि हमारे पार्टी प्रमुख जो भी निर्णय लेंगे वह हम सभी को स्वीकार्य होगा। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि यह सच है कि भाजपा और सेना (यूबीटी) में कई लोग महसूस करते हैं कि दोनों दलों को एक साथ रहना चाहिए क्योंकि यह एक स्वाभाविक गठबंधन है। उन्होंने कहा कि इस पर कोई भी निर्णय उद्धव द्वारा लिया जाएगा।

मराठी भाषा के मुद्दे पर भड़के मंत्री उदय सावंत

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने उन लोगों से निपटने के लिए एक सख्त नीति बनाने पर जोर दिया, जिन्होंने कहा कि राज्य के निवासियों को उनकी मातृभाषा मराठी में बोलने से रोका जाए। मराठी भाषा मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के निवासियों को उनकी मूल भाषा में संवाद करने से रोकने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ठाणे जिले के डोंबिवली इलाके में एक घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, जहां एक हाउसिंग सोसायटी के कुछ गैर-मराठी निवासियों ने मराठी समुदाय के एक सामाजिक-धार्मिक समारोह (हल्दी कुमकुम) का कथित तौर पर विरोध किया था। सामंत ने कहा कि एक योजना तैयार करने की जरूरत है। ऐसे प्रकरणों को रोकने की नीति। मराठी हमारी मातृभाषा है और हमें इसे बोलने से रोकने के किसी भी प्रयास पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब हम दूसरे राज्यों के लोगों से संवाद करते हैं तो उनकी भाषा का सम्मान करते हैं, उनका अपमान नहीं करते। इसी तरह, अगर कोई हमें अपने ही राज्य में मराठी बोलने या हल्दी कुमकुम जैसी सांस्कृतिक परंपराओं का संचालन करने से रोकने की कोशिश करता है, तो ऐसे कृत्यों के खिलाफ कानून को और अधिक सख्त बनाया जाना चाहिए। मंत्री विश्व मराठी सम्मेलन (विश्व मराठी सम्मेलन) पर जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे, जो 31 जनवरी से 2 फरवरी तक पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। मैचों के दौरान लोकप्रिय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर क्रिकेट कमेंट्री में मराठी का इस्तेमाल नहीं किए जाने पर हालिया विवाद के बारे में बोलते हुए, सामंत ने कहा कि मराठी को छोड़कर, अन्य सभी भाषाओं में कमेंट्री हो रही है।

सुप्रिया सुले ने धनंजय पर बढ़ाया दबाव

विधानसभा चुनावों में महायुति की बड़ी जीत के कुछ दिन बाद हुआ बीड सरपंच हत्याकांड सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए परेशानी का सबसे बना हुआ है। महाविकास आघाड़ी के नेता धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुंडे ने पहली बार तेवर नरम करते हुए कहा है कि अगर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजित पवार कहेंगे तो वह पद छोड़ देंगे। इस सब के बीच एनसीपी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने यह कहकर मुंडे पर दबाव और बढ़ा दिया है कि अगर मैं होती तो इस्तीफा दे देती। राज्य में बीड सरपंच हत्याकांड पर जहां राजनीति पिछले एक महीने से गर्म है तो वहीं बीड जिले के प्रभारी मंत्री बनने के बाद गुरुवार को डिप्टी सीएम अजित पवार दौरे पर पहुंचे। जिले के संरक्षक मंत्री अजित पवार ने बीड जिला योजना समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के साथ विवादों में घिरे धनंजय मुंडे भी मौजूद रहे। सियासी हलकों में चर्चा है कि अजित पवार बीड दौरे के बाद मुंडे के सियासी भविष्य को लेकर फैसला कर सकते हैं। इससे पहले जब पीएम मोदी महाराष्ट्र के दौरे पर पहुंचे थे तो उन्होंने महायुति के विधायकों को संबोधित किया था लेकिन मुंडे इससे दूर रहे थे। तब ऐसा माना गया था कि ऐसा सरपंच हत्याकांड में घिरे होने की वजह से हुआ।

राज ठाकरे ने चुनाव परिणामों पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजों पर अभी तक प्रतिक्रि या नहीं देने वाले मनसे चीफ राज ठाकरे ने बड़ा बम फोड़ा है। मुंबई में मनसे के सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा है कि बालासाहेब थोराट की हार और अजित पवार की पार्टी की बड़ी जीत पर हैरानी जताई। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को भी वोट मिले थे, लेकिन वे वोट कहीं गायब हो गए थे। राज ठाकरे ने अंततः मनसे की रैली में अपनी चुप्पी तोड़ी। इस बार, उन्होंने चुनाव परिणामों पर संदेह व्यक्त करके महाविकास अघाड़ी के सुर में सुर मिलाया। बीजेपी का साथ ईडी केस के कारण देने के आरोपों पर सफाई देते हुए ठाकरे ने कहा कि %मैं शिवाजी महाराज की कसम खाकर बताता हूं कि मैंने बिजनेस किया था। कोहिनूर मिल के लिए हमने टेंडर भरा था। हमें टेंडर मिल गया था, लेकिन कानूनी अड़चनों के कारण हम उस डील से बाहर निकल गए। बालासाहेब थोराट 7 बार चुनाव जीते थे, हर बार 70 से 80 हजार वोट से जीतते थे, लेकिन इस बार वे सिर्फ 10 हजार वोट से हार गए। ये कैसे संभव है?' ठाकरे ने यह भी कहा कि बीजेपी को इतनी सीटें मिल सकती हैं, लेकिन अजित पवार की 41 सीटें और शरद पवार की केवल 10 सीटें जीतना, यह भी एक बड़ा सवाल है। इस रैली में बोलते हुए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि क्या बालासाहेब थोराट को 10,000 वोटों से हराया जा सकता है? वह सात बार निर्वाचित हुए। वे कहेंगे कि वे इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि राज ठाकरे हार गए। लेकिन मैं पूरे महाराष्ट्र की बात नहीं कर रहा हूं। यहां तक कि जो लोग सत्ता में आए थे वे भी हैरान हैं। ठाकरे ने कहा कि महायुति की जीत के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक व्यक्ति मेरे पास आये। उन्होंने कहा कि इतना सन्नाटा क्यों है भाईज्कोई तो जीत गया होगा। इसका मतलब यह है कि टीम के लोग भी नतीजों पर विश्वास नहीं करते। कुछ बातों पर पहली नज़र में विश्वास करना कठिन होता है। राज ठाकरे ने कहा कि जबकि यह उम्मीद की जा रही थी कि अजित पवार चार या पांच सीटें जीतेंगे, उन्होंने 42 सीटें जीतीं और शरद पवार, जो कई वर्षों से महाराष्ट्र की राजनीति में हैं, ने दस सीटें जीतीं। लोगों ने आपको वोट दिया है, लेकिन यह आप तक नहीं पहुंचा है। वह वोट कहीं गायब हो गया। अगर आप ऐसे चुनाव लड़ना चाहते हैं तो बेहतर होगा कि आप चुनाव न लड़ें। ठाकरे ने कहा कि बीजेपी ने 2014 में 122 सीटें जीतीं। पिछली बार 104 सीटें थीं। अब हम 132 को समझ सकते हैं। ठाकरे ने कहा जिनका जीवन शरद पवार की राजनीति से बना उन अजित पवार को 42 सीटें, कौन विश्वास करेगा? शरद पवार को सिर्फ 10 सीटें? यह समझ से परे है। राज ठाकरे ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या सबसे अधिक थी। 13 सांसद आये। एक सांसद के निर्वाचन क्षेत्र में पांच से छह विधायक होते हैं। लेकिन उनके केवल 15 विधायक ही आये। शरद पवार के 8 सांसद आये. उनके दस विधायक निर्वाचित हुए हैं। अजितदादा का एक एमपी लोकसभा में जीता, 41 एमएलए आते हैं। चार महीनों में लोगों का मन बदल गया। क्या हुआ, इसका कारण क्या था, यह शोध का विषय है। राज ठाकरे ने इस अवसर पर कहा कि वोट देने मत जाइए, आपने वोट तो दिया है लेकिन वह आप तक नहीं पहुंचा है। ठाकरे ने सवाल दागा कि चार महीने में ऐसा क्या होगा?

सरपंच की हत्या पर नहीं रूक रहा सियासी बवाल

बीड जिले में सरपंच की हत्या को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने दावा किया कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या उनका इस्तीफा देना पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुंडे का यह बयान वंजारी समुदाय के आध्यात्मिक नेता नामदेव शास्त्री द्वारा उनके समर्थन में आवाज उठाने के बाद आया है। मुंडे और शास्त्री वंजारी समुदाय से हैं। भगवानगढ़ संस्थान के प्रमुख शास्त्री ने कहा कि मुंडे जबरन वसूली के पैसे पर जीवन-यापन करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के नेता पिछले महीने मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद मंत्री पद से मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। देशमुख का अपहरण करने के बाद नौ दिसंबर 2024 को हत्या कर दी गई थी क्योंकि वह बीड में एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली के प्रयास को रोकने की कोशिश कर रहे थे। जबरन वसूली के मामले में कराड को गिरफ्तार किया गया और वह न्यायिक हिरासत में है। मुंडे, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली कैबिनेट में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हैं। शास्त्री ने कहा, हत्या एक गांव का मामला था, लेकिन इससे सामाजिक माहौल खराब हुआ है। मुंडे वसूली के पैसे पर जीवन यापन करने वाले व्यक्ति नहीं हैं और पिछले 53 दिन से उनके खिलाफ मीडिया में अनाप-शनाप बातें कही जा रही हैं।'' बाद में पत्रकारों से बात करते हुए मुंडे ने कहा, ''हत्या के बाद से मीडिया ने मुझे निशाना बनाया है, लेकिन मैंने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। मैंने नामदेव शास्त्री से राजनीति के बारे में बात नहीं की, बल्कि उनसे मेरी बातचीत धार्मिक मामलों पर थी। मंत्री ने सवाल किया कि क्या उनका इस्तीफा और राजनीतिक लाभ के लिए एक विशिष्ट समुदाय को निशाना बनाना, पीड़ित परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''हत्या 53 दिन पहले हुई थी और मैं पहले दिन से ही कह रहा हूं कि अपराध में शामिल आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए और उन्हें फांसी पर लटकाया जाना चाहिए। मेरे रुख के बावजूद लोगों ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया है।'' इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कहा कि वह मुंडे के खिलाफ नामदेव शास्त्री को सबूत भेजेंगी। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में दमानिया ने कहा, इससे पहले नामदेव शास्त्री ने कहा था कि भगवानगढ़ संस्थान राजनीति से दूर रहता है। लेकिन उनका संवादादाता सम्मेलन देखकर मुझे बुरा लगा। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि मुंडे के दो चेहरे हैं। शास्त्री के सामने उनका असली चेहरा नहीं आया है, इसलिए उन्होंने उनके समर्थन में बात की। उन्होंने कहा कि लड़ाई मुंडे के खिलाफ नहीं बल्कि उनके आतंक, मानसिकता और अपराधीकरण के खिलाफ है। दमानिया ने कहा, हमारे पास सबूत हैं। जब मैं उन सबूतों के साथ उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार के पास गई तो उन्होंने गंभीरता व्यक्त की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सबूत पेश करने के बाद अब वे मुंडे के इस्तीफे का फैसला एक-दूसरे पर थोप रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जनवरी में अप्रैल वाला मौसम, खतरे का संकेत!

लवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की और गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं।

अमूमन उत्तर भारत में जाड़ा मार्च तक पड़ता है। लेकिन 2025 की जनवरी पिछले सालों की अपेक्षा गर्म रही या ऐसा कह सकते है कि इसबार ठंड नाम मात्र की रही। इस तरह मौसम में परिवर्तन ये बता रहे हैं ग्लोबल वार्मिंग का असर बहुत तेजी पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। इस तरह से मौसमी बदलाव किसान पर ज्यादा असर डालते हैं। ये भारत के लिए ज्यादा नुकसान दायक हो सकता है। हालांकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की और गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं।

ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे। वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले विज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं। हर वसंत में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है,तो जीवन वापस आ जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिकी वर्चस्व को डीपसीक की चुनौती

डॉ. संजय वर्मा

अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज होने के पहले ही दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चीनी एप टिकटॉक पर अपने देश में लगी पाबंदी हटाने का ऐलान किया, तो उन्हें अहसास नहीं रहा होगा कि एक अन्य चीनी क्रांति उनकी नींद हराम करने के लिए पैदा हो गई है। यह क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उस दायरे में हुई है, जिसमें ओपन एआई, गूगल और फेसबुक आदि इंटरनेट कंपनियों के चैटजीपीटी, जेमनाई (बार्ड, को-पायलट और मेटा एआई जैसे अमेरिकी टूल या सॉफ्टवेयर पूरी दुनिया पर कब्जा किए हुए बैठे हैं। बात डीपसीक आर-1 नामक उस चीनी चैटबॉट की है, जिसके आगमन ने एआई बरतने वालों में यह कौतूहल जगा दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले अमेरिकी टूल्स या सॉफ्टवेयर के मुकाबले ग्राहकों को इस चीनी इंतजाम की सुविधाएं मुफ्त हासिल होंगी और ज्यादा तेजी से मिलेंगी।

डीपसीक इसकी सबसे ताजा मिसाल है कि तकनीक के क्षेत्र में किसी एक देश, इलाके या कंपनी का एकछत्र साम्राज्य या एकाधिकार कितनी तेजी से ध्वस्त हो सकता है। इससे भरोसा जगा है कि अगर कोई गरीब या विकासशील मुल्क मामूली संसाधनों के बल पर विकसित देशों के बराबर पहुंचना चाहे, तो दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर आज वह ऐसा आसानी से कर सकता है। याद कीजिए, जब 1980 के दशक के आखिर में अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कम्प्यूटर देने से इनकार कर दिया था। वह आशंकित था कि भारत इसका इस्तेमाल अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में कर सकता है। कालांतर में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने परम-8000 नामक सुपर कंप्यूटर बना लिया। दिखा दिया कि तकनीकी क्रांति में किसी की बपौती नहीं चल सकती। आज वही हालात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बन गए हैं। चीन एआई में बराबरी में आने के बारे में भी न सोच सके, इसका प्रबंध बाइडेन सरकार ने डच कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली लिथोग्राफी मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगाने के रूप में किया था।

ये मशीनें बेहद एडवांस माइक्रोचिप्स बना सकती हैं। इनका इस्तेमाल एआई के टूल्स और सॉफ्टवेयर में होता है। हालांकि, डीपसीक के निर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से खास किस्म के

माइक्रोचिप्स (ए-100 और एच-800) पहले ही खरीद चुके थे, लिहाजा उनका अत्यधिक किफायत से इस्तेमाल कर चैटबॉट डीपसीक बना डाला गया। कहां तो अमेरिका इस कोशिश में था कि चीन एआई के मामले में उसका पिछलग्गू बना रहे, लेकिन लागत और तेजी में डीपसीक उससे आगे निकल गया। डीपसीक आर-1 के आर्थिक फायदे-नुकसान की एक तस्वीर तो दुनिया देख ही चुकी है। जैसे ही अमेरिका में डीपसीक के पहुंचने की खबरें आईं, उसके शेयर बाजारों में तबाही का आलम पैदा हो गया। इसकी वजह एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलना है। डीपसीक आर-1 चूंकि एक मुफ्त (ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) एआई टूल या कहें कि चैटबॉट है, जिसे बनाने में अमेरिका की महंगी तकनीक और माइक्रो चिप्स की बजाय उनके सस्ते संस्करण इस्तेमाल किए गए हैं, लिहाजा माना गया कि तकनीक के आविष्कार और उसे आजमाने की जो लागत और कीमत अमेरिकी कंपनियां बताती रही हैं, वे बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई हैं। मिसाल के तौर पर अमेरिकी कंपनी ओपन एआई ने चैटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम (60 लाख डॉलर यानी करीब 52 करोड़ रुपये) आई है। इस चीनी कंपनी ने साबित कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम बेहद सस्ते में और कई मामलों में मुफ्त में हो सकते हैं जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दसियों गुना ज्यादा पैसा ले रही हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि यह दावा करना कि एआई का कोई बेहद शानदार प्रबंध बहुत कम पैसे में हो गया है- एक भू-रणनीतिक योजना का हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के पीछे अमेरिका के खिलाफ आर्थिक युद्ध छेड़ने की मंशा काम कर रही होगी।

दरअसल, कृत्रिम रूप से कम लागत का दावा करने का अर्थ यह साबित करना है कि अमेरिकी कंपनियां छद्म रूप से लागत और कीमतें कई गुना बढ़ाकर बताती हैं। लेकिन यदि वही काम दस-बीस गुना कम कीमत में हो सकता है, तो प्रतिस्पर्धा में आने वाली कंपनी या तो अपने उत्पाद की कीमत उसकी बराबरी में लाने को मजबूर हो जाएगी या फिर घाटा उठाने अथवा कामकाज बंद करने को मजबूर हो जाएगी। लेकिन क्या मुफ्त होने के साथ-साथ डीपसीक आर-1 चैटजीपीटी या गूगल के जेमनाई की तरह ही सक्षम है और उनकी बराबरी कर सकता है। अभी दो चीजों को लेकर डीपसीक की घेराबंदी शुरू हो गई है।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने वाले वेनफेंग

अरुण नैथानी

सहज विश्वास नहीं होता पर एक गुमनाम-से व्यक्ति ने अपनी मेधा, सीमित संसाधनों व तकनीकी कौशल से दुनिया की सुपर पावर कहे जाने वाले अमेरिका को एक ही दिन में हिलाकर रख दिया। चीनी एप डीपसीक की दस्तक सही मायनों में एआई की दुनिया में एक क्रांति जैसी ही है। दरअसल, डीपसीक आर-1 एक एआई मॉडल है, जो अपनी समस्त एआई सेवाएं मुफ्त उपलब्ध करा रहा है, जिसके लिए अमेरिका की नामी कंपनियां अब तक मोटा पैसा वसूलती रही हैं। निश्चित रूप से डीपसीक को बनाने वाले चीन के लियांग वेनफेंग ने तीसरी दुनिया के तमाम विकासशील देशों को संबल भी दिया है कि तकनीकी कौशल सिर्फ अमेरिका की बपौती मात्र नहीं है। बीते सोमवार को अमेरिका की एआई कंपनियों के शेयर भूचाल जैसी स्थिति में जैसे धराशायी हुए उसने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और आईटी दिग्गजों को हिलाकर रख दिया। पूरी दुनिया को बेतुकी धमकियों और अमेरिका फर्स्ट के बयानों से विचलित करने वाले डोनाल्ड ट्रंप चीन के इस ट्रंप-कार्ड से शिकस्त खा गए। उन्होंने इसे अमेरिका एआई उद्योग के लिये खतरे की घंटी बताया।

अमेरिकी बादशाहत वाली दिग्गज एआई कंपनियों चैटजीपीटी, ओपन एआई और गूगल जेमिनी के नये सस्ते विकल्प के रूप में उभरी डीपसीक का दबदबा इतनी जल्दी अमेरिका व उसके शेयर बाजार को हिला गया कि एआई सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनियां सकते में आ गईं। इसकी वजह यह है कि डीपसीक महंगी सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। यही वजह रही कि ये प्ले स्टोर पर एक ही दिन में सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाला एप बन गया। कल तक गुमनामी में साधना में जुटा लियांग वेनफेंग आज एआई की दुनिया का बेताज बादशाह है।

दरअसल, लियांग को यह शिखर की सफलता रातो-रात नहीं मिली। इसके पीछे उसके लंबे समय से किए जा रहे अथक प्रयास भी हैं। दरअसल, लियांग वेनफेंग ने बीस माह पहले एक स्टार्टअप शुरू किया था, जिसका नाम डीपसीक था। डीपसीक के संस्थापक और सीओ लियांग वेनफेंग बीते साल सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि अमेरिकी एआई प्लेटफार्म अंतिम सत्य नहीं है, इनके विकल्प भविष्य में सामने आ सकते हैं। जिसे उन्होंने अब हकीकत बना दिया है। चीन के झानजियांग में एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाले लियांग वेनफेंग का जीवन आम चीनी नागरिकों जैसा ही था। उनके पिता एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षक रहे। बचपन से लियांग वेनफेंग एक मेधावी छात्र रहे हैं। यद्यपि उनकी प्रारंभिक पढ़ाई सामान्य स्कूलों में हुई लेकिन उनमें कुछ विशिष्ट गुण उनके शिक्षकों ने देखे। वे शुरुआत से ही जटिल गुत्थियों को सुलझाने में रुचि दिखाते थे। कालांतर में उन्होंने इंजीनियरिंग की राह पकड़ी तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता उनका प्रिय विषय बन गया। बताते हैं कि वर्ष 2019 में भी उन्होंने हाई-फ्लायर एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह अरबों युआन की संपत्ति का प्रबंधन करने वाला उपक्रम था। लेकिन वे चीन में सुर्खियों में तब आए जब वर्ष 2023 में उन्होंने एआई उपक्रम डीपसीक की स्थापना की। आज वे चीन ही नहीं, पूरी दुनिया के हीरो हैं। आज चालीस वर्षीय लियांग वेनफेंग की कुल संपत्ति 28 हजार करोड़ बतायी जाती है। जाहिर उनके एआई प्लेटफॉर्म की अप्रत्याशित कामयाबी के बाद आने वाले दिनों में उनकी संपत्ति कुलांचें भरने लगे तो कोई अतिशयोक्ति न होगी।

दरअसल, अमेरिकी टेक कंपनियों में खलबली मचाने वाली लियांग वेनफेंग की एआई संचालित चैटबॉट डीपसीक की लागत अमेरिकी कंपनियों से दस गुना कम बतायी जा रही है। कंपनी द्वारा मुफ्त में सेवा उपलब्ध कराने से मिली अपार ख्याति ने ही अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में भूचाल ला दिया। जिस चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया से लियांग वेनफेंग ने चिप खरीदकर इस उपक्रम की शुरुआत की थी, उसकी मार्केट वैल्यू डीपसीक के जलवे के चलते एक ही दिन में छह सौ अरब डॉलर घट गई। यही वजह है कि दुनिया को अपने धमाल से हिलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप को भी कहना पड़ा कि अमेरिकी उद्यमियों के लिये यह सतर्क हो जाने वाला वक्त है। हालांकि, सिलकॉन वैली के कुछ दिग्गज इस उपलब्धि को दुनिया के लिये प्रभावी बता रहे हैं। जो अमेरिकी एआई कंपनियों के अरबों डॉलर के खर्च के मुकाबले कुछ लाख डॉलर में तैयार हुई है। जिसके लिये लियांग वेनफेंग ने निवेशकों से धन जुटाकर इस अभियान की शुरुआत की।

वैसे सूचना और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर लियांग वेनफेंग की इस कामयाबी की राह इतनी आसान भी नहीं थी। शुरुआती दौर में उन्होंने अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से ए100 चिप्स खरीदे थे। अमेरिकी अधिकारियों को चीन के मंसूबों का खतरा तो था ही, यही वजह है कि उन्होंने बाद में इन चिप्स के चीन को निर्यात पर रोक लगा दी। जानकार बताते हैं कि अमेरिकी प्रतिबंध के बाद उन्होंने करीब पचास हजार चिप्स जुटाकर डीपसीक एप को तैयार किया। साथ ही अन्य देशों से सस्ती चिप्स जुटाकर इसके साथ इस्तेमाल करके दुनिया में धमाल मचा दिया। वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि लियांग वेनफेंग की इस अप्रत्याशित कामयाबी में चीन सरकार की महत्वाकांक्षी सामरिक नीतियों की भूमिका भी हो सकती है, जिसके जरिये अमेरिका को झटका देकर विश्व में सामरिक लक्ष्य हासिल किए जा सकें। बहरहाल, लियांग वेनफेंग की कामयाबी भारत जैसे देशों के लिये प्रेरणा व चुनौती भी है कि दृढ़ संकल्पों से अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी पीछे छोड़ा जा सकता है।

बसंत पंचमी

शारदायै नमस्तुभ्यं, मम हृदय प्रवेशिनी...

हिन्दू धर्म में ऋतुओं के आधार पर भी त्योहार मनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक बसंत पंचमी पर्व भी है। शास्त्रों में बताया गया है कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि से बसंत ऋतू का शुभारंभ हो जाता है। इस विशेष दिन पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग प्रकार से इस पर्व को मनाया जाता है। मां सरस्वती की आराधना का त्यौहार कहा जाने वाला बसंत पंचमी का त्यौहार, पूरे भारत वर्ष में यह बसंत के मौसम की शुरुआत और देवी सरस्वती के जन्म के दिन के रूप में मनाया जाता है। मां सरस्वती जो ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि की देवी मानी जाती हैं, इस दिन इनकी पूजा करके आशीर्वाद मांगा जाता है। यह दिन होली के रंगीन त्यौहार के आगमन की भी घोषणा करता है। इस दिन मां सरस्वती के साथ-साथ सभी ग्रंथो, पुस्तकों और संगीत यंत्रों की भी पूजा की जाती हैं। बसंत पंचमी का त्यौहार केवल भारत में हिंदुओं द्वारा ही नहीं बल्कि नेपाल और बाली में भी मनाया जाता है।

मुहूर्त और तिथि

बसंत पंचमी 2 फरवरी 2025 को है। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर विद्या, वाणी और ज्ञान की देवी सरस्वती प्रकट हुई थी। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा के लिए सुबह 7.09 से दोपहर 12.35 तक पूजा का मुहूर्त है। माघ शुक्ल पंचमी तिथि 2 फरवरी को सुबह 9.14 से शुरु होकर 3 फरवरी को सुबह 6.52 तक रहेगी। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा के लिए सुबह 7.09 से दोपहर 12.35 तक पूजा का मुहूर्त है। माघ शुक्ल पंचमी तिथि 2 फरवरी को सुबह 9.14 से शुरु होकर 3 फरवरी को सुबह 6.52 तक रहेगी।

एतिहासिक कथा

बसंत पंचमी के दिन के लिए बहुत सी कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार ब्रह्मा ने जब ब्रह्मांड की रचना की थी तब सम्पूर्ण धरती पर चारों तरफ मौन था। ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से जल की एक बूंद झिड़क कर मां सरस्वती की रचना की। इस तरह सरस्वती जी ब्रह्माजी की पुत्री कहलायी। मां सरस्वती के जन्म के साथ ही उनकी भुजाओं में वीणा, पुस्तक और आभूषण थे। जब माता सरस्वती से वीणा वादन का आग्रह किया गया। जैसे ही उन्होंने वीणा वादन शुरू किया। वीणा से उत्पन्न स्वर से पृथ्वी पर कम्पन्न हुआ और पृथ्वी का सूनापन समाप्त हुआ। इन स्वरों की वजह से ही मनुष्यों को वाणी की प्राप्ति हुई। पृथ्वी के चेतना के लिए आवश्यक तत्वों की उत्पत्ति मां सरस्वती ने ही की थी। एक और प्रचलित कथा के अनुसार जब प्रभु श्रीराम ने सीता माता की खोज में जब वह दंडकारण्य में पहुंचे थे। तब उन्होंने बसंत पंचमी के दिन ही शबरी के बेर खाकर समाज में एकात्मता का सन्देश दिया।

ऐसे करें मां सरस्वती को प्रसन्न

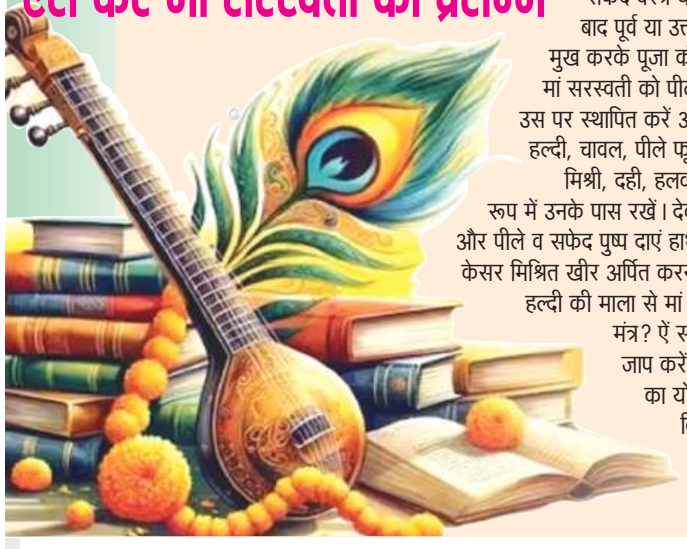

बसंत पंचची पर पीले, बसंती या सफेद वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके पूजा की शुरुआत करें। मां सरस्वती को पीला वस्त्र बिछाकर उस पर स्थापित करें और रोली, केसर, हल्दी, चावल, पीले फूल, पीली मिठाई, मिश्री, दही, हलवा आदि प्रसाद के रूप में उनके पास रखें। देवी को श्वेत चंदन और पीले व सफेद पुष्प दाएं हाथ से अर्पण करें। केसर मिश्रित खीर अर्पित करना सर्वोत्तम होगा। हल्दी की माला से मां सरस्वती के मूल मंत्र? ऐं सरस्वत्यै नम: का जाप करें। शिक्षा की बाधा का योग है तो इस दिन विशेष पूजा करके उसको ठीक किया जा सकता है।

क्यों होती है मां सरस्वती की पूजा

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, ज्ञान देवी मां सरस्वती शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को ही ब्रह्माजी के मुख से प्रकट हुई थीं। इसलिए बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन पूरे विधि विधान से मां सरस्वती की पूजा करने से वो प्रसन्न होती हैं और भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

बसंत पंचमी का वैज्ञानिक कारण

बसंत पंचमी से ठंड की अनुभूति कम होने लगती है और मौसम में संतुलन बना रहता है। इसके साथ बसंत पंचमी पर्व के दिन पीले रंग का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है। हिन्दू धर्म में इस रंग का महत्व बहुत अधिक है, किन्तु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस रंग को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस रंग को डिप्रेशन दूर करने में सबसे कारगर माना जाता है।

हंसना मना है

बाप-बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का - पापा अगर वो लड़की दे तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर- तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट-जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी- एक जहर की बोतल देना, दुकानदार- बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार- बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुत्ते के सामने मत नाचना!

कहानी: सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

कहानी से सीख: जीवन में हमेशा सच बोलना चाहिए।

7 अंतर खोजें

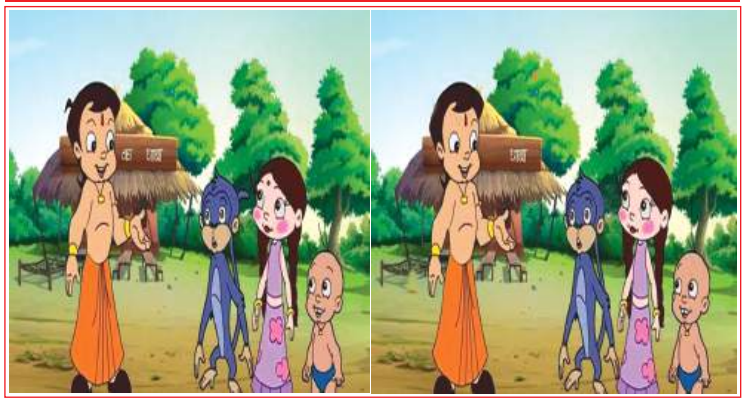

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ: मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन: आपको आज धन के लेन-देन में सावधानी रखना होगी। संतान को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। संत-समागम होगा।

कर्क: आज घर में किसी को चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है।

सिंह: संतान को शारीरिक कष्ट संभव है। पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

कन्या: दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला: कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक: चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु: माता को पुराना रोग उभर सकता है। किसी बात को लेकर बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

मकर: भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। कारोबार में लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ: आज परिवारसंग पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन: अचानक व्यापारिक यात्रा के अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। विवाद को बढ़ावा न दें।

हंटर 2 का टीजर रिलीज, जैकी श्रॉफ से दो-दो हाथ करेंगे सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।

हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं। वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

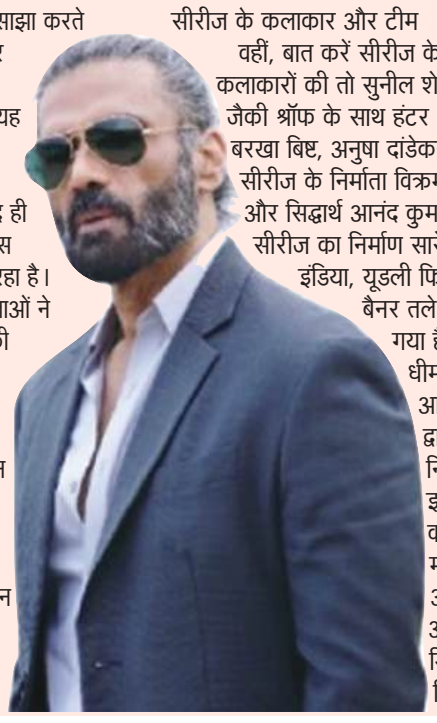

सीरीज के कलाकार और टीम वहीं, बात करें सीरीज के कलाकारों की तो सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ हंटर 2 में बरखा बिष्ट, अनुषा दांडेकर भी हैं। सीरीज के निर्माता विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार हैं। सीरीज का निर्माण सारेगामा इंडिया, यूडली फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस सीरीज को खुश मलिक, अली हाजी और वीर ने मिलकर लिखा है।

ट्वीटर से खफा हुई स्वरा भास्कर, सुनाई खरी-खरी

स्वरा भास्कर की एक्स प्रोफाइल अकाउंट को कॉपीराइट उल्लंघन के कारण स्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि भास्कर ने गणतंत्र दिवस पर कुछ पोस्ट किया था। अभिनेत्री ने खुद इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी और उन्होंने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया।

एक पोस्ट साझा करते हुए स्वरा ने लिखा, ट्वीटर या एक्स ने मेरे अकाउंट को स्थायी रूप से निलंबित कर दिया, एक हैप्पी रिपब्लिक डे की शुभकामना पोस्ट करने के लिए। स्वरा ने एक लंबा कैप्शन लिखा, जिसमें लिखा था, प्रिय एक्स, दो ट्वीट्स की दो तस्वीरों को कॉपीराइट उल्लंघन के रूप में बताया गया है, जिसके आधार पर मेरा एक्स अकाउंट लॉक है, मैं इसे एक्सेस नहीं कर सकती और आपकी टीमों द्वारा स्थायी निलंबन को मंजूरी दे दी गई है।

एक ऑरेंज बैकग्राउंड वाली एक तस्वीर और हिंदी देवनागरी लिपि में लिखा है, गांधी हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं भारत में प्रगतिशील आंदोलन का एक लोकप्रिय नारा है। इसमें कोई कॉपीराइट उल्लंघन नहीं है। यह शहरी आधुनिक लोक मुहावरे के समान है।

उन्होंने आगे कहा, उल्लंघन के रूप में बताई गई दूसरी तस्वीर मेरी अपनी बच्ची की है, जिसमें उसका चेहरा छिपा हुआ है और वह भारतीय ध्वज लहरा रही है। उस पर हैप्पी रिपब्लिक डे इंडिया लिखा हुआ है। स्वरा ने आगे लिखते हुए पूछा, यह संभवतः कॉपीराइट का उल्लंघन कैसे हो सकता है? मेरे बच्चे की तस्वीर पर किसका कॉपीराइट है? ये दोनों शिकायतें कॉपीराइट की किसी भी कानूनी परिभाषा की किसी भी तर्कसंगत और उद्देश्य की समझ से हास्यास्पद हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

कंटेंट देखकर फिल्मों का करती हूं चुनाव : पूजा हेगड़े

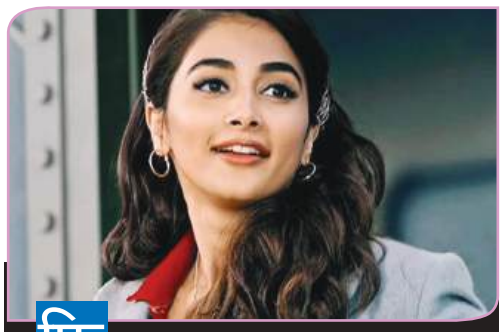

फिल्म देवा शुक्रवार को रिलीज हो गई है। शाहिद कपूर के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री पूजा हेगड़े कई हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहती हैं। साथ ही उन्होंने कॉप फिल्मों के प्रति अपनी दिलचस्पी के बारे में भी बात की। दर्शकों के बीच कॉप फिल्मों के प्रति इतनी दीवानगी क्यों है? इस पर पूजा हेगड़े का कहना है कि उन्हें खुद वर्दी वाले लोग हमेशा आकर्षित करते हैं। एक्शन और रोमांच से भरी फिल्मों को हर आयु वर्ग के लोग पसंद करते हैं। पूजा हेगड़े ने कहा कि एक अच्छी फिल्म, हमेशा अच्छी फिल्म होती है और आप एक अच्छी फिल्म को दबा नहीं सकते। यह भी हो सकता है कि इस दौर में लोगों को इस तरह की फिल्में पसंद आ रही हैं, मुझे नहीं पता। दर्शकों को क्या पसंद है इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। अपनी करियर यात्रा पर पूजा हेगड़े का कहना है कि वह अलग-अलग किस्म की फिल्में करना चाहती हैं। अभिनेत्री का कहना है, मैं कई भाषाओं में काम कर रही हूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जहां भी कंटेंट अच्छा हो, वहां जाना चाहिए। मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी है। मेरा सफर हमेशा से ऐसा ही रहा है... सिर्फ पैन इंडिया फिल्म के मामले में ऐसा नहीं रहा है। मैंने तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया है। मुझे हमेशा प्यार से स्वीकार किया गया। तारीफ हुई। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। सम्मान की बात है। इससे मुझे और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। देवा के बाद पूजा हेगड़े को फिल्म रेट्रो में देखा जा सकेगा। फिल्म देवा का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। इस फिल्म में शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े के अलावा पावेल गुलाटी, कुब्रा सैत और प्रवेश राणा जैसे सितारे भी हैं। पूजा हेगड़े की हिंदी फिल्मों की बात करें तो उन्होंने साल 2016 में फिल्म मोहनजो-दाड़ो से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया। इसके अलावा वे हाउसफुल 4, राधे श्याम, सर्कस और किसी का भाई किसी की जान में काम कर चुकी हैं।

महाराष्ट्र के इस गांव में नहीं दिखते खपरैल के घर, घास और लकड़ी से ही बनायी जाती है छत

पुराने समय में ग्रामीण इलाकों में घरों की छत पर खपरैल का इस्तेमाल होता था। अधिकतर घर खपरैल से बनाए जाते थे। आज भी कई जगहों पर खपरैल के घर देखे जा सकते हैं, लेकिन अमरावती जिले का एक गांव ऐसा है जहां कभी भी खपरैल का इस्तेमाल नहीं हुआ। आज भी वहां कहीं भी खपरैल नहीं दिखते। अमरावती जिले के चांदुर बाजार तालुका का देवुरवाडा गांव देव का वाडा के नाम से भी जाना जाता है। इस गांव में खपरैल का इस्तेमाल कभी नहीं होता। जब घर बनाने के लिए कुछ भी नहीं मिलता था, तब वहां के लोगों ने घास और लकड़ी का इस्तेमाल कर छत बनाई, लेकिन कभी भी खपरैल का घर नहीं बनाया। बता दें कि देवुरवाडा गांव में खपरैल के घर क्यों नहीं दिखते? इस बारे में वहां के ग्रामीणों ने बताया कि इसके पीछे एक बड़ी कहानी है। हमारे गांव में भगवान नृसिंह की स्वयंभू मूर्ति है। साथ ही गांव से बहने वाली पयोष्णी नदी भी इस कहानी का हिस्सा है। भगवान विष्णु के अवतार हैं मच्छ, कच्छ, वराह और नृसिंह। यानी विष्णु का चौथा अवतार नृसिंह भगवान हैं।

आगे उन्होंने बताया कि नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यप का वध अपने नाखूनों से किया था। इसके बाद उनके नखों में जलन हो गई थी। उस जलन को शांत करने के लिए उन्होंने कई प्रयास किए। फिर वे पयोष्णी नदी के किनारे आए। वहां के करशुद्धीतीर्थ पर उन्होंने अपने नाखूनों को पानी में डुबोया, जिससे उनकी जलन शांत हो गई। तब से नृसिंह भगवान वहां स्थायी रूप से बस गए। देवुरवाडा गांव में नृसिंह भगवान की स्वयंभू मूर्ति है। कृष्ण गायगोले ने जानकारी दी कि हिरण्यकश्यप का वध करने के बाद नृसिंह भगवान देवुरवाडा गांव में स्थायी रूप से बस गए। लोगों की उन पर अपार श्रद्धा हो गई। इस गांव के सभी धर्मों के लोग नृसिंह भगवान को मानते हैं। इसलिए नृसिंह भगवान से संबंधित किसी भी बात को बड़ी श्रद्धा से मानते हैं। खपरैल का आकार नृसिंह भगवान के नाखूनों जैसा होता है, इसलिए इस गांव में कोई भी खपरैल का इस्तेमाल नहीं करता। कुछ लोगों ने इस्तेमाल करने की कोशिश की थी, तब उन्हें चमत्कारिक घटनाएं हुईं। इसके बाद से किसी ने भी गांव में खपरैल का घर नहीं बनाया।

अजब-गजब | 550 साल पुराना है ये पेड़

इस पेड़ की चौड़ाई इतनी की समा जाएंगे 4 फुटबॉल ग्राउंड, भक्तों की भर जाती है झोली!

आंध्र प्रदेश में एक पेड़ है जो सबसे अलग है।ये सिर्फ पेड़ नहीं, बल्कि अपने आप में पूरा 'जंगल' है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि आंध्र प्रदेश के कादिरी गांव में स्थित थिमम्मा मारीमानू विश्व का सबसे बड़ा बरगद का पेड़ है।बता दें कि यह कोई साधारण पेड़ नहीं, इसकी छत्रछाया पूरे 19,107 वर्ग मीटर में फैली हुई है। यह इतना विशाल है कि चार फुटबॉल के मैदान भी इसके नीचे आराम से समा जाएं।1989 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा फैलाव वाला बरगद घोषित किया था। थिम्मम्मा मरीमनु 550 साल से अधिक पुराना है।

अब इसकी खासियत सुनिए—यह ऊपर की ओर नहीं, बल्कि चारों दिशाओं में फैलता चला जाता है। इसकी शाखाएं नीचे उतरती हैं, हवाई जड़ें जमीन में धंसती हैं और फिर एक नया तना बन जाता है। यह प्रक्रिया लगातार चलती रहती है और देखते ही देखते यह अकेला पेड़ पूरा वन बन जाता है। कैलिफोर्निया के जनरल शेरमन ट्री जैसा

ऊंचा नहीं, लेकिन यह अपनी चौड़ाई से सबको हैरत में डाल देता है।

बता दें कि थिम्मम्मा मरीमनु सिर्फ वनस्पति विज्ञान का अजूबा ही नहीं, बल्कि एक आस्था का केंद्र भी है।कहा जाता है कि यह पेड़ एक महिला, थिम्मम्मा के बलिदान का प्रतीक है। लोककथाओं के अनुसार, उसने अपने पति की चिता पर सती हो जाने के बाद, इसी स्थान पर यह विशाल बरगद उगा। यही कारण है कि हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं, खासकर वे जो संतान सुख की आस रखते हैं। लोग मानते हैं कि यहां आकर मन्नत मांगने से संतान की प्राप्ति होती है। लेकिन ठहरिए, ये सिर्फ धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है। पारिस्थितिकी यानी Ecology के लिहाज से भी यह पेड़ बेहद महत्वपूर्ण है। यह सैकड़ों पक्षियों, चमगादड़ों और छोटे जीवों का घर है। इसकी विशाल जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकने का काम करती हैं। हालांकि, यह जहाँ होता है, वहां की इमारतों और सड़कों के लिए खतरा भी बन सकता है।

वैसे, बरगद के पेड़ों के साथ कुछ रहस्यमयी बातें भी जुड़ी हैं। आपने सुना होगा कि इनके नीचे रात में सोना अशुभ माना जाता है।इसका वैज्ञानिक कारण भी है—रात के समय ये कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे दम घुटने का खतरा रहता है।कुछ लोग मानते हैं कि इनके नीचे आत्माएं भटकती हैं और सूर्यास्त के बाद इनसे दूर ही रहना चाहिए।

सुशासन बाबू चिर निद्रा में सोए हुए हैं : तेजस्वी

राजद नेता बोले- राज्य में दिन-रात गोलियां चल रहीं

» बोले- आज कल ऊल-जुलूल बयान दे रहे सीएम नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सारण। इन दिनों बिहार में राजनीतिक बयानबाजी खूब तेज होती दिख रही है, जिसमें राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला पर हमला किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में आए दिन बिहार में सैकड़ों राउंड गोलियां चल रही हैं, जिसमें निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। लेकिन सुशासन बाबू चिर निद्रा में सोए हुए हैं। तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री अचेतावस्था में हैं। जिस कारण यही लगता है कि होश में नहीं है और वह बिहार को चलाने में पूरी तरह से अपने आप को अक्षम कर चुके हैं।

वहीं महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर हमारे मुख्यमंत्री ताली बजा रहे हैं, जबकि संवाद यात्रा के दौरान सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि महिलाएं आजकल अच्छे-अच्छे कपड़े पहन रही हैं। हालांकि इस तरह उलूल जुलूल बयान दे रहे हैं। इससे लगता है कि हमलोगों के मुख्यमंत्री होश में नहीं बल्कि बेहोशी की हालत में है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा के दौरान छपरा पहुंचने के बाद परिसदन में मीडिया से बातचीत करने दौरान कही। कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत प्रमंडलीय मुख्यालय सारण के छपरा शहर आए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में अपराध का इंजन लगा हुआ है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि असली सुपर सीएम तो डीके बॉस हैं। हालांकि मीडिया द्वारा डीके बॉस का नाम पूछे जाने पर तेजस्वी टाल गए और कहा कि वक्त आने पर आप सभी को जानकारी मिल जाएगी। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ भगदड़ के संबंध में कहा कि वहां के शासन और प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए कि जिनके परिजनों की मृत्यु हुई है, उन्हें उचित मुआवजा मिले और उनके शव को जल्द से जल्द बिहार लाने की व्यवस्था करना चाहिए। बिहार में नई नई परियोजनाओं के संबंध में बताया कि जिस राज्य में दिन- रात गोलियां चल रही हो, वहां कौन सा व्यवसायी व्यवसाय शुरू करने आएगा। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यदि उनकी सरकार आएगी, तो वह हर चीज का हिसाब सार्वजनिक रूप से देंगे। तेजस्वी यादव ने अपनी 17 महीने की अल्प अवधि वाले सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गांधी मैदान में लाखों युवाओं को रोजगार दिया है, जबकि मौजूदा सरकार युवाओं को लाठी से पीटने और पिटवाने जैसे कार्यों में दिन रात लगी हुई हैं।

उदित राज ने सीएम नीतीश को बताया लाचार

कांग्रेस सांसद मनोज कुमार राम पर हमले के बाद सियासत गरमा गई है। यह मामला दिल्ली तक पहुंच गया है। कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. उदित राज ने इस मामले को लेकर नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक सांसद के ऊपर हमला कोई मामूली बात नहीं है। सबसे पहले तो नीतीश कुमार जी इस मामले पर अपना पक्ष स्पष्ट करें। इसमें जनता दल यूनाइटेड की साजिश है या नहीं? अगर नहीं है, तो उन्हें भाजपा के साथ सरकार नहीं चलानी चाहिए। ऐसा लगता है कि वह लाचार हो गए हैं। जब देश का गृह मंत्री बाबा साहब अंबेडकर की आलोचना संसद में कर सकता है, तो इनका मन तो बढ़ेगा ही। इनकी मानसिकता मनुवादी है। जिसके कारण हमारा देश कमजोर हुआ, टुकड़ों में बंटा, नफरत फैली, वही मानसिकता भारतीय जनता पार्टी की है। मनोज राम को सुरक्षित दिल्ली बुलाया जाए, उनको उच्च स्तरीय सुरक्षा दी जाए। साथ ही, दोषियों के ऊपर कार्रवाई की जाए।

हमला कर रहे भाजपा समर्थक : कांग्रेस

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि बिहार में आए दिन जनसाधारण लोगों की हत्या हो ही रही है, अब जो संसद में चुनकर आता है, उसके साथ भी इस तरह का अत्याचार होने लगा है। सांसद मनोज कुमार पर जिन लोगों ने जानलेवा हमला किया, वो सब भारतीय जनता पार्टी के समर्थक थे। किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई, कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. शकील अहमद खान ने बताया कि बिहार में शासन-प्रशासन खत्म हो चुका है। भाजपा जहां भी रहती है, दलितों पर अत्याचार की घटनाएं घटती रहती हैं। आज बिहार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। बिहार में जब भाजपा और जदयू के लोग एक दलित सांसद पर हमला कर सकते हैं तो आप बिहार का माहौल समझ सकते हैं। बता दें कि सासाराम संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस सांसद मनोज कुमार और उनके गाई सहित सात लोग घायल हो गए। मोहनिया अनुमंडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर किया रेफर कर दिया।

भारत ने टी-20 सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

» कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर डेब्यू करने वाले 7वें खिलाड़ी बने हर्षित राणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भारत ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 में 15 रन से हराकर सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली। इस तरह टीम इंडिया ने 2019 से चला आ रहा विजयी अभियान जारी रखा। यह टीम इंडिया की घर में लगातार 17वीं सीरीज जीत है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टीम इंडिया ने 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 181 रन बनाए।

मैच में इंग्लैंड को 15 रनों से धोया, दुबे बने मैन ऑफ द मैच

जवाब में इंग्लिश टीम 19.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। चौथा मुकाबला टीम इंडिया ने 15 रनों से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर डेब्यू किया। इस तरह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वह दुनिया के सातवें खिलाड़ी बन गए जबकि टी-20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने वाले पहले गेंदबाज बने। वह कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर डेब्यू करने वाले पहले भारतीय भी बन गए। इस मुकाबले में टीम इंडिया की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। 12 के स्कोर पर टीम ने तीन विकेट खो दिए थे। साकिब महमूद ने संजू सैमसन (1), तिलक वर्मा (0) और सूर्यकुमार यादव (0) को पवेलियन भेजा। इसके बाद मोर्चा रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा ने संभाला। इसके बाद मैन ऑफ द मैच रहे शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने भारत का लक्ष्य 160 रनों के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 87 रनों की साझेदारी हुई। दोनों इस मैच में 53-53 रनों की शानदार पारियां खेलीं।

सचिन तेंदुलकर को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

मुंबई। भारत के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर को सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई उन्हें अपने वार्षिक समारोह में सचिन को सम्मानित करेगा। अपने शानदार करियर के दौरान सचिन ने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह शतकों का शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट के अलावा सचिन ने वनडे में 44.83 के औसत, 49 शतक और 96 अर्धशतक के साथ 18,426 रन और टेस्ट में 53.78 के औसत, 51 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 15,921 रन बनाए। उन्होंने अपने शानदार करियर में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है।

हां में हां मिलाने वालों में से नहीं हूं : किरोड़ी

» बोले- हां जी के दरबार में जो ना कहेगा, वह मरेगा

» मुझे बीजेपी ऑफिस में प्रेसवार्ता नहीं करने दी गयी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा उर्फ बाबा ने विधानसभा बजट सत्र के पहले ही दिन अपने तेवर दिखा दिए। राज्यपाल का अभिभाषण खत्म होने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा- विपक्ष में रहते हुए मैंने पांच साल तक लगातार संघर्ष किया, लेकिन पार्टी कार्यालय में मुझे पत्रकार वार्ता तक नहीं करने दी गई। उन्होंने कहा कि हां जी के दरबार में जो ना जी कहेगा, वह मरेगा। मेरी हर बात में हां कहने की आदत नहीं है, जो न कहता है वो परेशान होता है।

बता दें कि किरोड़ी लाल मीणा ने विधानसभा अध्यक्ष से पूरे बजट सत्र के लिए अवकाश मांग रखा है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उनकी छुट्टी की एप्लीकेशन पर विधानसभा स्पीकर से ही पूछा जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य है, कभी भी बिगड़ सकता है, क्योंकि आजकल तो जवानों को भी हार्ट अटैक आ जाता है। मंत्री मीणा ने कहा- यह समय समझौतों का है, जो लोग हां में हां मिलाते हैं तो उनके रिश्ते लंबे चलते हैं। मैं हां में हां मिलाने वालों में से नहीं हूं, हमेशा सच बोलता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा जब विपक्ष में थी तो उन्होंने पूरे पांच साल संघर्ष किया, लेकिन पार्टी कार्यालय में उन्हें पत्रकार वार्ता करने तक नहीं दी गई। इसके बावजूद, वे सड़क पर खड़े रहे और सत्ता में वापसी का आधार बनाया।

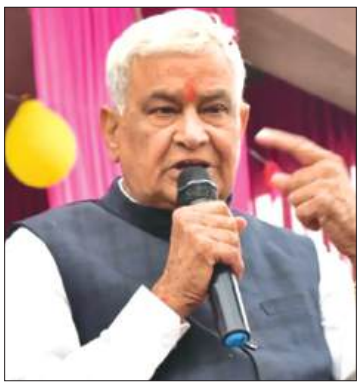

रोजाना सात करोड़ की बजरी निकाली जा ही

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बीसलपुर में ठेके को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि गाद निकालने के नाम पर रोजाना 7 करोड़ की बजरी निकाली जा रही है, जबकि वास्तव में गाद नहीं हटाई जा रही। उन्होंने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह सरकार की आंखों के सामने हो रहा है, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

मेरे असहमति नोट को जेपीसी अध्यक्ष ने हटाया : ओवैसी

» बोले- वक्फ पर की गई मनमानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर उनके विस्तृत असहमति नोट को समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने उनकी जानकारी के बिना हटा दिया। ओवैसी ने इस रिपोर्ट पर 231 पृष्ठों का असहमति नोट दिया था। यह रिपोर्ट बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी गयी थी।

उन्होंने असहमति नोट को बदलने के लिए प्रक्रिया के नियमों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। ओवैसी ने 'एक्स' पर लिखा कि मेरे नोट के कुछ हिस्सों को मेरी जानकारी के बिना संपादित किया गया। हटाए गये खंड विवादास्पद नहीं थे, उनमें केवल तथ्य बताए गए थे। समिति के अध्यक्ष जैसी रिपोर्ट चाहते थे, वैसी रिपोर्ट तैयार करवा ली, लेकिन विपक्ष की आवाज को क्यों दबाया गया?

दिल्ली विधानसभा चुनाव के सियासी माहौल में और बढ़ी गर्माहट

» आप पर कांग्रेस और बीजेपी का हमला तेज

भाजपा की सरकार बनी तो दिल्लीवासियों को हर महीने 25 हजार का होगा नुकसान : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सियासी माहौल गरमा गया है। आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। जहां एक तरफ आम आमदी पार्टी ने इस बार पहले से अच्छा प्रदर्शन करने के दावा किया है। वहीं भाजपा-कांग्रेस ने भी जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कुछ दिन पहले मेरी मुलाकात एक कट्टर भाजपा समर्थक से हुई, उसने पूछा अरविंद जी, अगर आप हार गए तो क्या होगा?

मैंने भी मुस्कुराते हुए पूछा, अगर मैं हार गया तो आपका क्या होगा? मैंने पूछा कि आपके बच्चे कहां पढ़ने जाते हैं, तो उसने कहा- सरकारी स्कूल में, क्योंकि अब स्कूल अच्छे हैं और शिक्षक भी अच्छे हैं। फिर मैंने पूछा कि भाजपा शासित किस राज्य में स्कूल हमसे अच्छे हैं, तो उसने कहा- कहीं नहीं। मैंने कहा कि अगर मैं यह चुनाव हार गया तो मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, महिलाओं के लिए मुफ्त बसें और अच्छी शिक्षा - ये सब चीजें बंद हो जाएंगी और आपको करीब 25,000 रुपये खर्च करने होंगे।

मैंने उससे कहा कि राजनीति और भाजपा को भूल जाओ और परिवार के बारे में सोचो। उसने कहा- मैं इस चुनाव में आपको वोट दूंगा लेकिन भाजपा को नहीं छोड़ूंगा। मैं सभी भाजपा समर्थकों से अपील करता हूं कि अगर भाजपा की सरकार आती है तो हमारी सारी योजनाएं बंद हो जाएंगी। इस पर आपको करीब 25,000 रुपये खर्च करने होंगे, क्या आपके पास इतना पैसा है? आपका भाई होने के नाते - मैं आपसे इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट देने की अपील करता हूं - भाजपा छोड़ना या न छोड़ना आपकी मर्जी है, लेकिन इस चुनाव में हमें वोट दें।

केजरीवाल का मतलब है, भ्रष्टाचार, चोरी, लूट व कमीशन : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिखरने लगी है। विषय यह नहीं है कि विधायक व पूर्व विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। विषय यह है कि उन्होंने कहा क्या है, उन्होंने कहा कि जिस तरह का विश्वास अरविंद केजरीवाल ने शुरू में अर्जित करने की कोशिश की थी, अब पार्टी से जुड़े लोग स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब केजरीवाल और आप पर भरोसा नहीं है। वीरेंद्र सचदेवा ने यह भी कहा कि इनका साथ छोड़ने वालों में अन्ना हजारे से शुरू हुई फेहरिस्त अब आठ विधायकों तक पहुंच चुकी है। हर वह आदमी जो दिल्ली में विकास चाहता है, वह इनके साथ रह ही नहीं सकता क्योंकि केजरीवाल का मतलब है, भ्रष्टाचार, चोरी, लूट व कमीशन। जिन लोगों ने पार्टी छोड़ी, यह उनका निजी निर्णय रहा, लेकिन हर वह व्यक्ति पार्टी छोड़ेगा जो दिल्ली को विकसित देखना चाहता है। पार्टी छोड़ने वाले समझ चुके हैं कि केजरीवाल ने ना केवल दिल्ली की जनता, बल्कि उन्हें भी धोखा दिया है। सिलसिला यहां थमने वाला नहीं है और यह क्रम जारी रहेगा।

आप के सात विधायकों का इस्तीफा केजरीवाल की हार के संकेत : देवेन्द्र

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दावा किया है कि आम आदमी पार्टी के आठ विधायकों के इस्तीफे से उसमें आंतरिक कलह और भ्रष्टाचार उजागर हो गया है। दरअसल इन विधायकों ने पार्टी के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए सीधे अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया है। यादव ने दावा किया कि आगामी पांच फरवरी के चुनाव में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, आतिशी सहित आप के प्रमुख नेता हार का सामना करेंगे। पिछले कुछ महीनों में आप के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़ चुके हैं, जिससे संकेत मिलता है कि आठ फरवरी को चुनाव परिणामों के बाद पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। यादव ने आप सरकार पर विभिन्न घोटालों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला, शीश महल में करोड़ों का घोटाला, डीटीसी, दिल्ली जल बोर्ड, शिक्षा, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी, यमुना और प्रदूषण के नाम पर करोड़ों का घोटाला हुआ है। इन घोटालों को अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर अंजाम दिया गया और सीएजी की 14 रिपोर्ट्स को सदन में प्रस्तुत नहीं किया गया।

'मुस्लिमों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकें नायडू व नीतीश'

» पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने वक्फ संशोधन बिल के लिए पत्र लिख मांगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एनडीए गठबंधन के सहयोगियों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर संसद में प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को रोकने का आग्रह करते हुए कहा है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। मुफ्ती ने नायडू और कुमार को संयुक्त रूप से एक पत्र लिखकर कहा कि दोनों देश के संविधान में विश्वास करते हैं और लगातार गंगा-जमुना भाईचारे की भावना का समर्थन करते हैं।

मुफ्ती ने पत्र में लिखा कि एनडीए के प्रमुख सदस्यों के रूप में आप इस मामले को प्रभावित करने और हमले को रोकने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात हैं। मैं ईमानदारी से आपसे हस्तक्षेप करने और इस विधेयक को हमारी राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने से रोकने का आग्रह करता हूं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन न केवल मुस्लिम समुदाय के हितों का खंडन करता है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला भी है। मुफ्ती ने कहा, यह गहरा विभाजनकारी बिल बहुसंख्यकवाद की स्पष्ट अभिव्यक्ति है जिसने 2014 से कट्टरता को बढ़ावा दिया है और मुस्लिम समुदाय को हाशिए पर धकेल दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जेपीसी के प्रति विपक्ष द्वारा उठाई गई शंकाओं की घोर उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस असंवैधानिक और सत्तावादी बिल से सबसे अधिक प्रभावित समुदाय से परामर्श करने के किसी भी वास्तविक प्रयास के बिना परामर्श की कवायद हास्यास्पद लगती है। वक्फ के स्वामित्व वाली संपत्तियों के सुधार के रूप में तैयार किया गया, इसका असली उद्देश्य वक्फ अधिनियम की नींव को कमजोर करना है, जो धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुसलमानों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण करना है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के बारे में गांधी के दृष्टिकोण का सार बदला जा रहा है, जिससे देश को बांधने वाले धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के दिल पर प्रहार करता है जो विविधता, बहुलवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के मूल मूल्यों पर पनपता है। इस बीच श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेंहदी ने भी कहा है कि कुमार और नायडू दोनों को विधेयक के समर्थन में मतदान नहीं करना चाहिए।

लखनऊ स्वच्छता अभियान के विरोध में उतरे सफाईकर्मी

» एलएसए के अधिकारियों ने की महिला से धक्का-मुक्की

» मामला थाने में पहुंचा, पार्षद व नगर निगम अधिकारी भी समर्थन में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काली जी हुसैनाबाद दौलतगंज मल्लाही टोला भवानी गंज में सुबह 9 बजे वार्ड के सभी कर्मचारी लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) के विरोध में एक जुट जमा थे। तभी चौक चौराहे पर उसी समय एलएसए के कुछ अधिकारी आए और बोले अपने नाम सभी लोग दर्ज कराओ नेता गिरी यहां पर न करो इसी बीच एक महिला से धक्का-मुक्की होने लगी। मामले की जानकारी मिलने पर मेयर सुषमा खर्कवाल व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी पहुंच गये। कर्मचारियों व पार्षदों ने कहा जब तक एलएलए को हटाया नहीं जाएगा वह कोई बात नही करेंगे।

इससे पहले पार्षद अनुराग मिश्रा ने महिला कर्मचारी से धक्का मुक्की देख मामले को शांत कराया और सभी लोगों को थाने भेज दिया। उसके बाद एलएसए के जोनल अधिकारी के ड्राइवर अमन ने माफीनामा लिख कर थाने में दिया। जिसके बाद थाने से मामला शांत हुआ।

जिसके बाद अपर नगर आयुक्त डॉ अरविंद कुमार राव पहुंचे जोन 6 कार्यालय जहां उन्होंने सभी पार्षदों से बातचीत की और सभी पार्षदों से कहा स्थिति यथावत रहेगी जिसके बाद कर्मचारियों का कहना है कि हम लोग एलएसए कंपनी के साथ काम नहीं करेंगे।

सफाईकर्मी या अधिकारी गुंडागर्दी न करें : अनुराग मिश्रा

पार्षद अनुराग मिश्रा ने एलएसए से त्यौहारों पर अतिरिक्त सफाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सफाई बाजारों में सफाइ टीमें रहे और कोई भी सफाई कर्मी या अधिकारी गुंडागर्दी न करें। निजी कंपनी को काम दिए जाने से संविदा कर्मचारियों में आक्रोश है। पार्षद भी कर्मचारियों के समर्थन में आए गए हैं। इस दौरान सीबी सिंह,अनूप कमल,मनीष रस्तोगी,पंकज पटेल,गुलशन अब्बास,नरेश चौरसिया, लईक आगा,बादशाह गाजी,रजनी गुप्ता,पार्षद प्रतिनिधि,संतोष राय पंकज पटेल,नागेंद्र सिंह,राम अवतार कन्नौजिया मौजूद रहे।

राज्यपाल रवि तमिलनाडु सरकार के खिलाफ काम कर रहे: एम के स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्यपाल आर. एन. रवि पर सभी मुद्दों पर राज्य सरकार के खिलाफ काम करने का शुक्रवार को आरोप लगाया।

राज्यपाल के हालिया आरोपों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि रवि सभी मामलों में राज्य सरकार के खिलाफ आरोप लगाते रहे हैं और यह सिर्फ एक या दो मुद्दों पर ही नहीं है। रवि ने यहां संग्रहालय परिसर में गांधी स्मृति कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा था। वहीं, राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपति के पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए खोज समितियों में यूजीसी अध्यक्ष के नाम को शामिल करने की उनकी (राज्यपाल) मांग राजभवन और सरकार के बीच असहमति के हालिया मुद्दों में से थे।

केंद्र सरकार व आरएसएस पर भड़के स्वामी निश्चलानंद

» बोले- अंग्रेजों और मुगलों ने देश में लंबा शासन किया लेकिन कभी आतंकवादी को शंकराचार्य नहीं बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवर्धनमठ पुरी के पीठाधीश्वर और जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती अपने स्पष्ट और बेबाक बयानों के लिए मशहूर हैं। हाल ही में उन्होंने सत्ता पक्ष और विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा।

स्वामी निश्चलानंद ने नकली शंकराचार्य के मुद्दे पर सरकार को घेरा। स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा अंग्रेजों और मुगलों ने देश में लंबा शासन किया, लेकिन कभी आतंकवादी को शंकराचार्य नहीं बनाया। अब नकली जगद्गुरुओं और नकली शंकराचार्यों की भरमार हो गई है, उन्होंने ये भी कहा कि एक आतंकवादी को शंकराचार्य बना कर हर जगह घुमाया जा रहा है और उसे आरएससएस के कार्यालय में भी ठहराया गया है, उनके मुताबिक शंकराचार्य को परंपरागत रूप से चुना जाना चाहिए ताकि लोग उनका अनुसरण कर सकें और धर्म लाभ हासिल कर सकें। स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि चाहे उन्हें लाखों आतंकवादी और अराजकतत्व घेर लें वह किसी से डरने वाले नहीं हैं। स्वामी निश्चलानंद ने देशभर में सनातन बोर्ड के गठन की जरूरत पर भी चर्चा की।

स्वामी ने अमित शाह से नकली शंकराचार्य पर बातचीत की

उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बारे में कहा पिछले दिनों अमित शाह मेरे पास आए थे और जब मैंने नकली शंकराचार्य पर उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि वे मेरे पास ही आते हैं, मैंने उन्हें जवाब दिया कि नकली को खड़ा करते हो और कहते हो कि मेरे पास ही आते हो।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।